प्रश्नों और प्रश्न करने की तकनीक (Questions & Questioning technique)

उद्देश्य : इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

- **प्रश्नों के महत्व का वर्णन करना**
- **प्रश्नों की उपयोग की सूची तैयार करना**
- **प्रशिक्षण में उपयोगी प्रश्नों का प्रकार**
- **अच्छे प्रश्न करने की विशेषता का वर्णन करना**
- **प्रश्न करने की तकनीक के चरणों का वर्णन करना।**

प्रस्तावना (Introduction)

प्रश्न आवश्यक शिक्षण उपकरण है और उनके कौशल का उपयोग प्रशिक्षक की नौकरी का हिस्सा है। अच्छा प्रश्न करना एक कला है प्रश्न सीखने, सिखाने और प्रयोग करने में महत्तवपूर्ण भूमिका निभाते है। उचित रूप से उपयोग किए गए प्रश्न भी अनुदेशात्मक विषयों के भागीदारी में मदद कर सकते है।

लेकिन दूसरी ओर शिक्षार्थी सपने देखना जारी सकता है या यहां तक कि उसकी वर्तमान भागीदारी भी खराब हो सकती है। यदि प्रशिक्षक पूछताछ के अनुचित तरीकों का उपयोग करता है।

प्रशिक्षक और उनके प्रशिक्षु के मध्य अच्छा प्रश्न, अच्छे संचार और समझ को विकसित करती है।

प्रश्नों के उद्देश्य (Purpose of Questions)

पाठ के विभिन्न चरणों में प्रश्न पूछे जाते है। कक्षा में प्रश्न पूछने के कुछ महत्वपूर्ण उद्देश्य है वे इस प्रकार हैः-

- पाठ में रूचि को बढ़ाता है।
- ध्यान बनाए रखने में मदद करता है।
- प्रशिक्षुओं को उत्तेजित करने में मदद करता है।
- प्रशिक्षुओं को सोच प्रदान करता है।
- प्रशिक्षुओं को उनकी स्मृति से उत्तर याद करने में सक्षम बनाता है।
- संदेह और गलतफहमी को दूर करने के लिए प्रशिक्षुओं को सक्षम बनाता है।
- शिक्षण अधिगम की प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए प्रशिक्षक को सक्षम करता है।
- यह एक संशोधन के रूप में कार्य करता है।
- प्रशिक्षुओं को ज्ञान प्राप्त करने का विश्वास पैदा करना।
- प्रशिक्षु अपने पिछले ज्ञान और परीक्षण ज्ञान का उपयोग करते है। और साथ ही विषय को सीखने की उपलब्धि भी हासिल करते है।
- प्रशिक्षण और प्रशिक्षुओं के मध्य संचार स्थापित करता है।
- याद रखने वाले प्रमुख बिंदुओं या सिद्धांतों पर प्रशिक्षु का ध्यान आकर्षित करें।
- विचारों को व्यवस्थित करने और प्रभावी ढंग से बोलने की क्षमता विकसित करता है।
- व्यक्तिगत विभिन्नताओं और कठिनाइयों का पता लगाने के लिए।
- असावधान शिक्षार्थियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए।

प्रश्नों के प्रकार (Classification of questions)

- परिचयात्मक प्रश्न
- विकासशील प्रश्न
- अनुशासनात्मक प्रश्न
- संक्षिप्तीकरण प्रश्न

परिचयात्मक प्रश्न (Introductory questions)

शिक्षार्थियों के विषय वस्तु को प्रस्तुत करने के लिए प्रारंभिक चरण में ये प्रश्न पूछे जाते है। इस प्रश्नों को परिचयात्मक प्रश्नों के रूप में जाना जाता है। ये अक्सर प्रशिक्षुओं के पिछले ज्ञान के परीक्षण के लिए होते हैं ताकि उन्हें विषय के लिए तैयार किया जा सके।

विकासशील प्रश्न (Developing questions)

विकासशील प्रश्न मुख्य विषय के जीवन और रक्त है ये शिक्षण प्रश्न होते है। ये शिक्षण पाठ के प्रस्तुतिकरण चरणों में अधिक उपयोगी होता है। इस प्रकार के प्रश्नों की मुख्य विशेषताएं ये हैः-

- विचार की एक अलग रेखा तैयार करना।
- प्रशिक्षुओं को महत्त्वपूर्ण तथ्य प्रस्तुत करना।
- अवलोकन के लिए चरण से चरण प्रशिक्षु का भागीदारी करना।
- पूरे पाठ के दौरान प्रशिक्षुओं को ध्यान रखने के लिए।

अनुशासनात्मक प्रश्न (Disciplinary questions)

असंगत शिक्षार्थियों के ध्यान का दावा करने के लिए, क्रम में पूछे गए प्रश्नों के लिए कक्षा के गतिविधियों का हिस्सा बनाने के लिए जो प्रश्न पूछे गए थे अनुशासनात्मक प्रश्न कहते है।

संक्षिप्तीकरण प्रश्न (Comprehension questions)

इस प्रश्नों का उपयोग सीखने और प्राप्त ज्ञान के परीक्षण के लिए पाठ के पूरा होने के बाद शिक्षार्थियों को समझ का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

प्रतिक्रियात्मक प्रश्न (Recapitulative questions)

इस प्रकार के प्रश्न परीक्षा के उत्तर के लिए अधिक उपयोगी होता है और ज्ञात होता है कि शिक्षक क्या पढ़ाये है। इस प्रकार के प्रश्न सामान्यत: पाठ के अंत में या जब लेसन के यूनिट समाप्त हो तो अलग-अलग इकाई के रूप में लेना चाहिए। इस प्रकार के प्रश्न करने के पश्चात् शिक्षण के दौरान बातचीत नहीं करना चाहिए।

ऊपर दशाये महत्त्वपूर्ण प्रश्नों को जोड़ना है जिसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए आवश्यक होती है कुछ इस प्रकार के प्रश्नों को यहाँ दिया गया है-

- समीक्षा प्रश्न
- प्रस्तुतिकरण प्रश्न
- प्रश्न आमंत्रित करना
- असाइनमेंट प्रश्न
- परीक्षण प्रश्न
- परीक्षा के प्रश्न
- समस्या के प्रश्न
- सोच उत्तेजक प्रश्न
- ड्रिल प्रश्न

अच्छे प्रश्न की विशेषताएँ (Characteristics of good questions)

सही प्रश्न करने के लिए आवश्यक गुण यहां है। ये गुण निम्नलिखित है-

- स्पष्ट होना चाहिए
- सरल होना चाहिए
- चुनौती आधारित होना चाहिए
- विशेषता होना चाहिए
- निश्चितता होना चाहिए
- प्रासंगिक होना चाहिए
- भाषा में होना चाहिए
- दिशा के अनुसार होना चाहिए

स्पष्टता (Clarity)

प्रश्न का निर्माण ऐसे हो कि प्रशिक्षु को समझ में आये कि प्रश्न क्या चाह रहा है। वे हमेशा प्रश्नों के सही उत्तर नहीं जान सकते ।

उदाहरण : स्कूटर का उपयोग क्या है ? यह एक भटकाने वाला प्रश्न है। जबकि, आप किस स्कूटर का उपयोग कर रहें है एक स्पष्ट प्रश्न है।

सरलीकरण (Simplicity)

प्रशिक्षु को अर्थ समझने में कठिनाई होने वाले शब्दों, अनावश्यक शब्दों को छोड़कर प्रश्नों में सावधानीपूर्वक शब्दों का उपयोग करना चाहिए। यहां प्रश्न साधारण होना चाहिए।

चुनौती आधारित प्रश्न (Challenging)

एक अच्छे प्रश्न का मूल्यांकन किया हुआ, सार और घोषित व्यवहार से होना चाहिए।

उदाहरण : डीजल इंजन कार का मूल्य पेट्रोल इंजन कार से कितना अधिक होगा ?

विशेषता (Specificity)

सामान्य उत्तर की अपेक्षा विशिष्टता के लिए प्रश्न सरल होना चाहिए। प्रशिक्षु कुछ डाटा को आधार मानकर साहस के बिना प्रश्नों को हल कर सकें।

निश्चितता (Definiteness)

प्रश्न विषयों से नही होती कई प्रकार की आंतरिक विषय होती है। यहाँ प्रश्नों के एक ही उत्तर होना चाहिए ।

उदा.: आपके मुख्यमंत्री कौन है? - यह सही प्रश्न नहीं है यहां होना चाहिए आपके प्रथम मुख्य मंत्री कौन थे? - इस प्रश्न का उचित परिभाषित उत्तर है।

प्रश्न करने की तकनीक (Technique of Questioning)

"कक्षा के कमरे में प्रश्न करने की कला" Fig 1 में दर्शाया गया है

- पूरे कक्षा में प्रश्न बताना
- सही उत्तर के लिए प्रशिक्षु को सोचने की उचित समय देना
- प्रश्नों के उत्तर प्रशिक्षु के नाम से पुकारना।
- उत्तर को सुने और प्रथम सही उत्तर को स्वीकार न करें। कुछ अन्य प्रशिक्षु से पूछना कि यह सही उत्तर है और किसी दूसरा उत्तर ज्ञात है।
- सही उत्तर को स्पष्ट रूप से बताये और दोहराये तथा तेज आवाज से दोहराये कि पूरे कक्षा में आपके आवाज सुनाई दें।
- यदि कोई न समझ में आये, ऐसे शीर्षक को स्पष्ट करें और चर्चा करें।

महत्त्वपूर्ण बिंदु (Important Note):

- प्रश्न साफ होना चाहिए और आसानी से समझ में आये ऐसे भाषा में होना चाहिए। सिर्फ व्यक्तिगत उत्तर स्वीकार करना चाहिए। प्रश्न खुश होकर करना चाहिए और प्रशिक्षु को धन्यवाद देना चाहिए और सही उत्तर देना चाहिए।
- एक प्रशिक्षु को एक ही उत्तर देने की अनुमति देना चाहिए। समूह में उत्तर देने को स्वीकार नहीं करना चाहिए।
- और अंत में उचित उत्तर देना चाहिए ताकि शिक्षार्थी में प्रोत्साहन बन सकें।

प्रश्न पूछने की अनुप्रयुक्त तकनीक (Improper techniques of asking questions)

- दो बार और तीन बार प्रश्न पूछना
- एक समान प्रशिक्षु से दोहराय गये चक्रीय प्रश्न

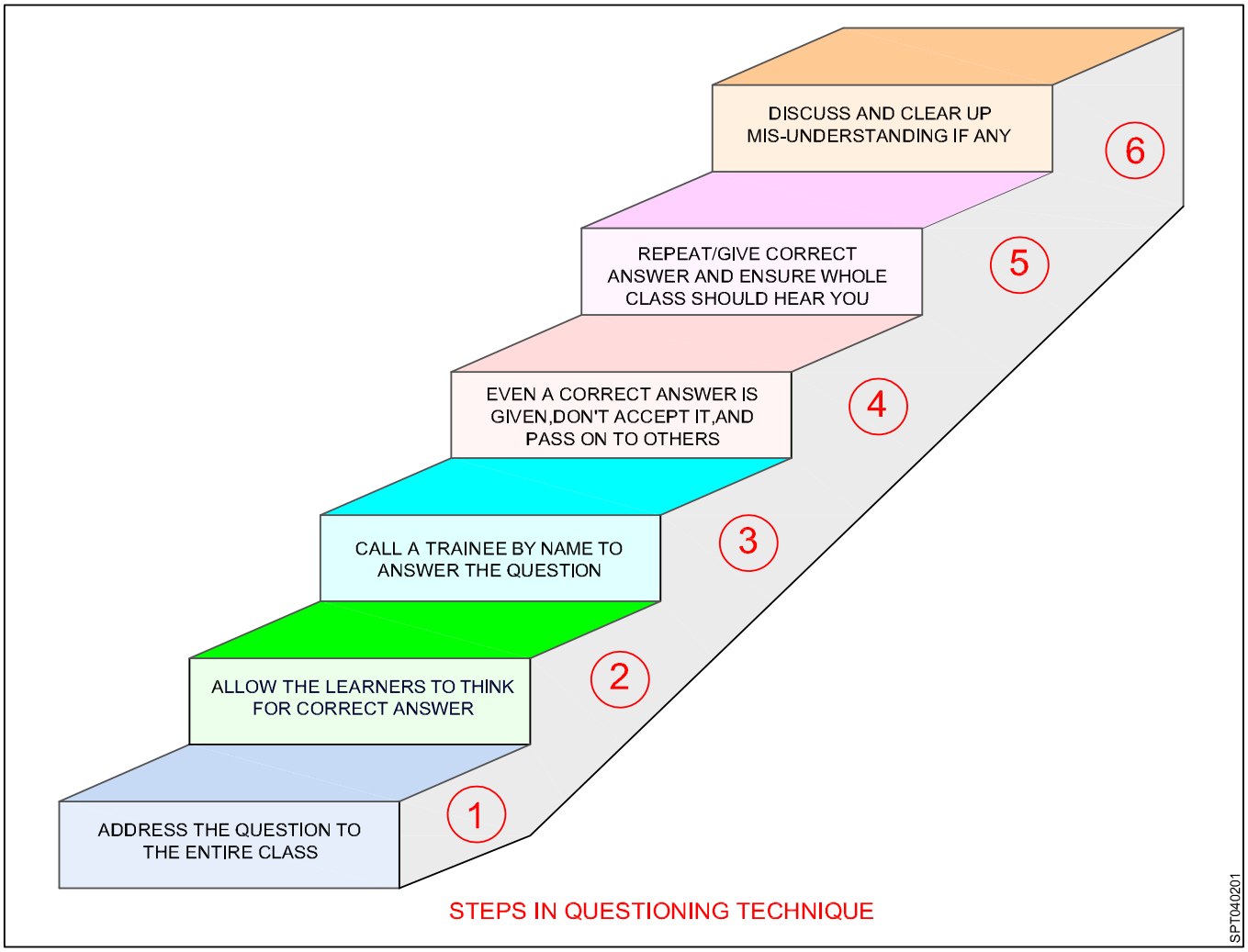

- लगातार प्रश्न करना
- सिर्फ निर्धारित प्रशिक्षुओं से प्रश्न करना
- शिक्षण में हां या ना नहीं प्रश्न करना

कक्षा में प्रश्न के शीर्षकों के तहत वर्गीकृत किया जा सकता है।

5W और 1H का उपयोग करें (Use the 5W's and 1H)

सोचने/याद करने और जवाब देने के मामले में जवाब देने की क्षमता के लिए उत्तेजक प्रश्न। इस प्रकार के प्रश्न को "FACT" प्रश्न भी कहा जाता है। इस प्रकार के प्रश्न पूछने में ये शब्द शामिल होना चाहिए- क्यों, क्या, कौन, कब, कहां, कैसे आदि

उदा. सूचना पत्र का क्या उपयोग है ?
एक समय में केवल एक ही प्रक्रिया - क्यों सिखाई जाती है?

स्मृति प्रकार के प्रश्न (Memory type questions)

ये प्रश्न जिनका जवाब किसी ऐसी वस्तु के संदर्भ में दिया जाना है जो अतीत में सिखाई गई है इसलिए प्रशिक्षु को केवल देखकर ही पिछले अध्ययन को याद रखना है और बिना अधिक सोच विचार किये जवाब दिया जा सकता है इस प्रकार का प्रश्न कैसे, कहाँ आदि के साथ पूछा जाना चाहिए।

उदा. मिलिंग मशीन को कैसे वर्गीकृत किया जा सकता है ?
राउंड फाइल का उपयोग कहां किया जाता है?

प्रश्न के उस स्थिति या अवसरों के अनुसार नाम दिया जा सकता है जिसमें यह पूछा जा रहा है शिक्षण के प्रत्येक चरण में पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुसार निम्न प्रकार से कहा जाता है-

तैयारी के चरण	:	परिचयात्मक या समीक्षा पत्र
प्रस्तुति के चरण	:	विकासात्मक प्रश्न
उपयोग के चरण	:	पुर्नपुंजीकरण संबंधी प्रश्न या संशोधन संबंधी प्रश्न
टेस्ट के चरण	:	टेस्ट प्रश्न या परीक्षा प्रश्न, असाइनमेंट प्रश्न, ड्रिल प्रश्न, व्यापक प्रश्न आदि।